

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



सत्यमेव जयते



भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

15th July, 2024

DO No. 29/News Letter/CH(IC)/2024

Dear *Colleague,*

Beginning this week with a bit of trivia – this DO marks the 50th Newsletter I have written as Chairman. From the feedback I receive, it is heartening to know that officers not only take the time to read my newsletters but also view them as a valuable source of ideas and an indicator of the Board's priorities. While at it, I must admit that I may have, occasionally, missed out on the efforts of some formations due to my own constraints. Nonetheless, the Board appreciates the hard work being done by the Directorates and field formations in CBIC.

CBIC has topped the charts in the latest GRAI ranking released by DARPG for the month of June 2024 – with an impressive score of 0.832. This is the first time that CBIC has secured top rank in the GRAI among various Ministries and Departments. The credit for this accomplishment goes to all formations for addressing the grievances promptly, particularly those handling the maximum number of grievances. And of course, DGTS has worked wonders by continuously monitoring and nudging towards improving grievance redressal mechanisms and the quality of grievance redressal. Well done CBIC and team DGTS!

Last week, the Directorate General of GST Intelligence shifted its Delhi premises to Dwarka. The new building has five storied state-of-the-art facilities comprising a modern forensic lab, a delightful cafeteria and a spacious conference room apart from other amenities. These facilities are poised to enhance the effectiveness of DGGI while promising a more amiable experience for taxpayers.

Some good cases in customs were noticed recently. Ahmedabad Customs Commissionerate booked a case of diversion of imported cut & polished diamonds/ruby from SEZ to DTA. Acting upon information, a few live export

consignments containing studded diamonds were detained and it was found that these were grossly overvalued. The financial trail from the bank accounts of the exporter firm indicated high-value remittances to the tune of Rs. 2950 Crores that had been deposited/ transferred from various domestic firms/persons which were, during further investigation, found not traceable. One of the Directors of the firm admitted to the diversion of imported superior quality Cut & Polished Diamonds/ Ruby from SEZ to DTA while inferior quality diamonds were used in exports. Both the Directors have been placed under arrest for their role in evasion of the import duty amounting to Rs. 220 Crores by such diversion. Excellent investigation!

In another case, officers of DRI Delhi, on the basis of intelligence, intercepted two trucks on the suspicion that these were carrying smuggled electronic cigarettes and drones. The examination of the said trucks led to the seizure of 1,87,200 e-cigarettes of various brands and 145 pieces of DJI Brand Drones, which were smuggled into India illegally. The total value of the seized goods is around Rs. 43.26 crores. An active member of the e-cigarette smuggling syndicate has also been apprehended. Great work Delhi DRI as E-cigarettes continue to be a public health challenge in India despite comprehensive bans.

Until next week!

Yours sincerely,



(Sanjay Kumar Agarwal)

All Officers and Staff of the Central Board of Indirect Taxes & Customs.

संजय कुमार अग्रवाल
अध्यक्ष
Sanjay Kumar Agarwal
Chairman

75
आज़ादी का
अमृत महोत्सव



सत्यमेव जयते



भारत सरकार
वित्त मंत्रालय
राजस्व विभाग
केन्द्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क
Government of India
Ministry of Finance
Department of Revenue
Central Board of Indirect Taxes & Customs

15 जुलाई 2024

DO No. 29/News Letter/CH(IC)/2024

प्रिय सहकर्मी,

इस सप्ताह की शुरुआत ट्रिविया के साथ - यह 50वां न्यूज़लेटर है जिसे मैं चेयरमैन के रूप में लिख रहा हूँ। मुझे प्राप्त फीडबैक से, यह जानकर खुशी हुई कि अधिकारी न केवल मेरे न्यूज़लेटर्स को पढ़ने के लिए समय निकालते हैं, बल्कि उन्हें विचारों के मूल्यवान स्रोत और बोर्ड की प्राथमिकताओं के संकेतक के रूप में भी देखते हैं। इस दौरान, मैं यह स्वीकारता हूँ कि कभी-कभी, मैं भी अपनी बाधाओं के कारण संभवतः कुछ संरचनाओं के प्रयासों को दर्शाने से चूक गया हूँ। यद्यपि बोर्ड, सीबीआईसी के निदेशालयों और फील्ड फॉर्मेशन द्वारा की जा रही कड़ी मेहनत की सराहना करता है।

जून 2024 महीने के लिए DARPG द्वारा जारी नवीनतम GRAI रैंकिंग में 0.832 के प्रभावशाली स्कोर के साथ सीबीआईसी चार्ट में शीर्ष पर है। यह पहली बार है कि सीबीआईसी ने विभिन्न मंत्रालयों और विभागों के बीच GRAI में शीर्ष रैंक हासिल की है। इस उपलब्धि का श्रेय सभी संरचनाओं को जाता है, विशेषकर उन फॉर्मेशन को जो अधिकतम संख्या में शिकायतों को संभालती हैं और उनका तुरंत समाधान करती हैं। और निश्चित रूप से, DGTS ने सभी फॉर्मेशन की शिकायत निवारण तंत्र और शिकायत निवारण की गुणवत्ता में सुधार की दिशा में लगातार निगरानी और मार्गदर्शन करके अद्भुत काम किया है। सीबीआईसी और टीम डीजीटीएस को शुभकामनाएं !

पिछले हफ्ते, जीएसटी इंटेलिजेंस महानिदेशालय ने अपने दिल्ली परिसर को द्वारका में स्थानांतरित कर दिया। नई इमारत में पांच मंजिला अत्याधुनिक सुविधाएं हैं जिनमें अन्य सुविधाओं के अलावा एक आधुनिक फोरेंसिक लैब, एक रमणीय कैफेटेरिया और एक विशाल सम्मेलन कक्ष शामिल है। ये सुविधाएं करदाताओं के लिए अधिक अनुकूल अनुभव का वादा करते हुए डीजीजीआई की प्रभावशीलता को बढ़ाने के लिए तैयार हैं।

हाल ही में कस्टम में कुछ अच्छे मामले देखने को मिले। अहमदाबाद सीमा शुल्क आयुक्तालय ने SEZ से डीटीए में आयातित कट और पॉलिश हीरे/रूबी के डायवर्जन का मामला दर्ज किया। सूचना पर कार्रवाई करते हुए, जड़े हुए हीरों से भरी कुछ लाइव एक्सपोर्ट खेपों को रोका गया और यह पाया गया कि इनका मूल्य

बहुत अधिक था। निर्यातक फर्म के बैंक खातों के वित्तीय ट्रेल से 2950 करोड़ रुपये के उच्च-मूल्य प्रेषण का संकेत मिलता है, जिसे विभिन्न घरेलू फर्मों/व्यक्तियों द्वारा जमा/स्थानांतरित किया गया था, जो आगे की जांच के दौरान पते पर नहीं पाए गए। फर्म के निदेशकों में से एक ने SEZ से डीटीए को आयातित बेहतर गुणवत्ता वाले कट और पॉलिश हीरे/रूबी के डायवर्जन की बात को माना, जबकि निम्न गुणवत्ता वाले हीरे का उपयोग निर्यात में किया गया था। दोनों निदेशकों को 220 करोड़ रुपये के आयात शुल्क के डायवर्जन की चोरी में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया गया है। उत्कृष्ट जांच!

एक अन्य मामले में, डीआरआई दिल्ली के अधिकारियों ने खुफिया सूचना के आधार पर दो टूकों को इस संदेह पर रोका कि ये तस्करी करके इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट और ड्रोन ले जा रहे थे। उक्त टूकों की जांच में विभिन्न ब्रांडों के 1,87,200 ई-सिगरेट और डीजेआई(DJI) ब्रांड ड्रोन के 145 टुकड़े जब्त किए गए, जो अवैध रूप से भारत में तस्करी कर लाए गए थे। जब्त किए गए माल की कुल कीमत करीब 43.26 लाख रुपये है। ई-सिगरेट तस्करी सिंडिकेट के एक सक्रिय सदस्य को भी पकड़ा गया है। दिल्ली डीआरआई का शानदार कार्य, जैसा कि व्यापक प्रतिबंधों के बावजूद ई-सिगरेट भारत में एक सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बनी हुई है।

अगले सप्ताह तक ।

भवदीय,

संजय कुमार

(संजय कुमार अग्रवाल)

केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड के सभी अधिकारी और कर्मचारीगण ।